By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

बिहार की सिंचाई अवस्था

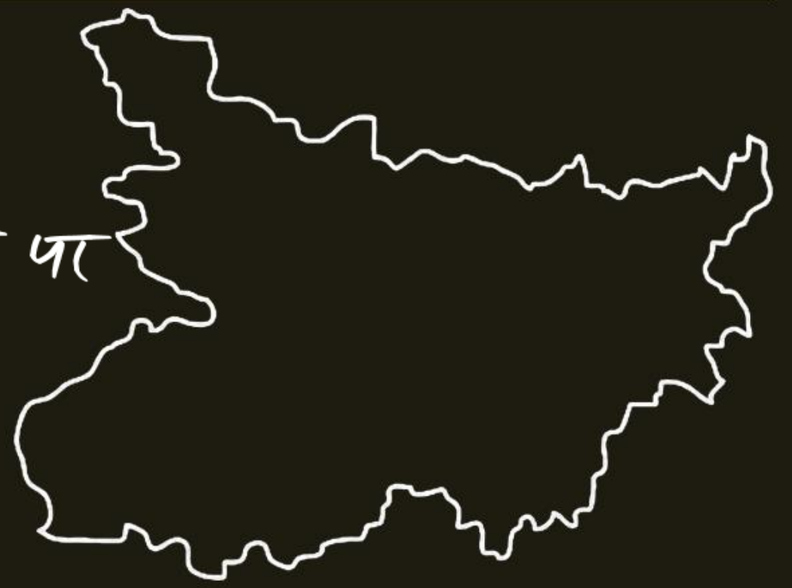

⇒ बिहार की लगभग 70% से अधिक आबादी कृषि पर आश्रित

⇒ बिहार एक कृषि प्रधान राज्य

⇒ 54 लाख हेक्टेयर भूमि

सिंचाई ⇒ 63.9% भूमि – नलकूप
31% भूमि नहरों द्वारा | तालाब कुंआ

Bihar Special – भूगोल

नदी घाटी परियोजनाएं

त्रिवेणी नहर :- गंडक नदी पर
⇒ प० चम्पारण में भैंसालोटन नामक स्थान

पूर्वी त्रिवेणी नहर :- पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर वैशाली आदि जिले लाभान्वित

पश्चिम त्रिवेणी नहर :- बिहार (प० चम्पारण) और उत्तर प्रदेश (19 Km)

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

सोन नहर :- सोन नदी पर रोहतास के "डेहरी" स्थान

पूर्वी सोन नहर :- रोहतास, गया, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद

पश्चिमी सोन नहर :- रोहतास, बक्सर, भोजपुर

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

कोसी नहर :- हनुमान नगर से कोसी नदी पर

पूर्वी कोसी नहर :- अररिया
पूर्णिया, कटिहार

पश्चिम कोसी नहर :- सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

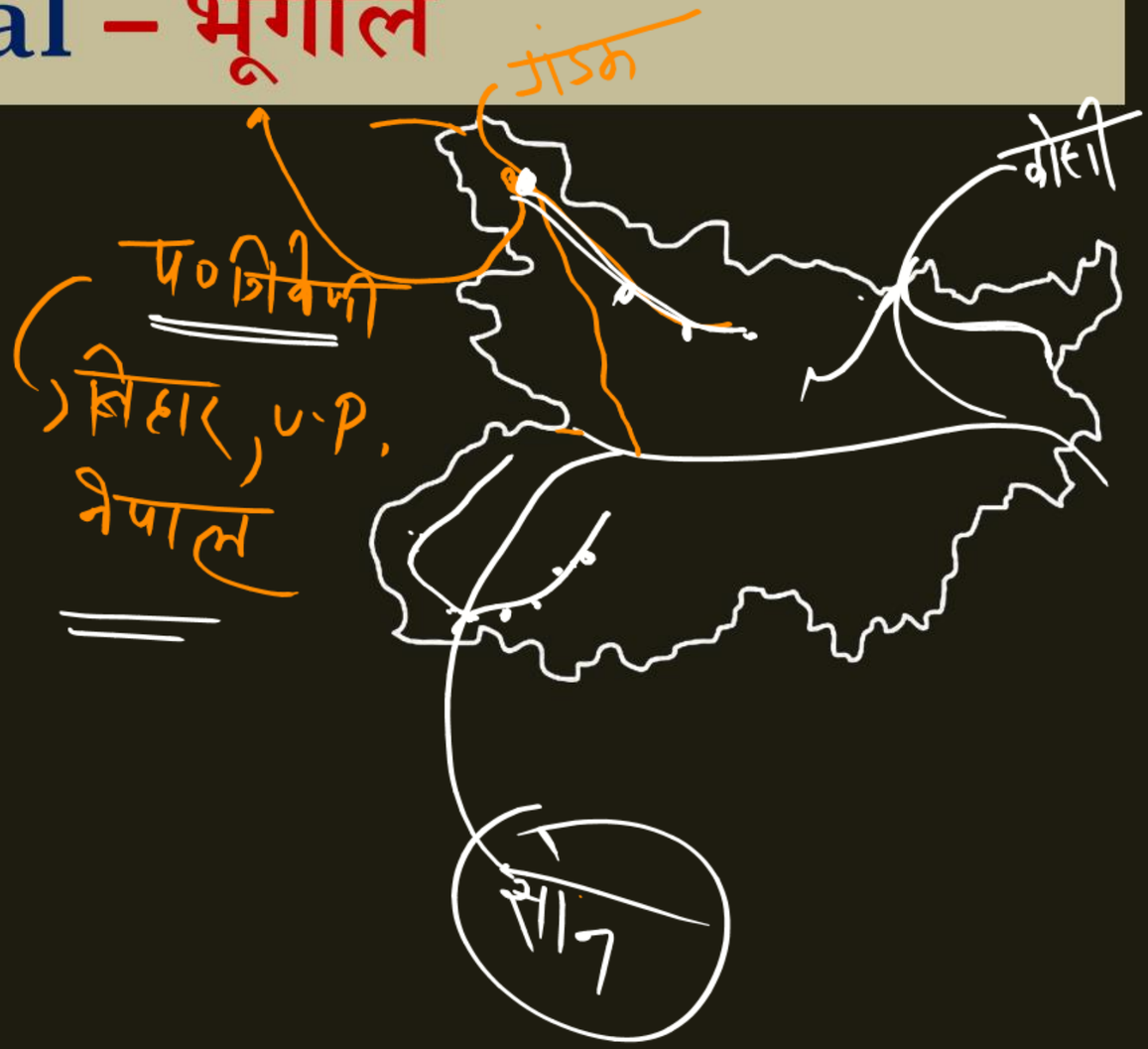

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

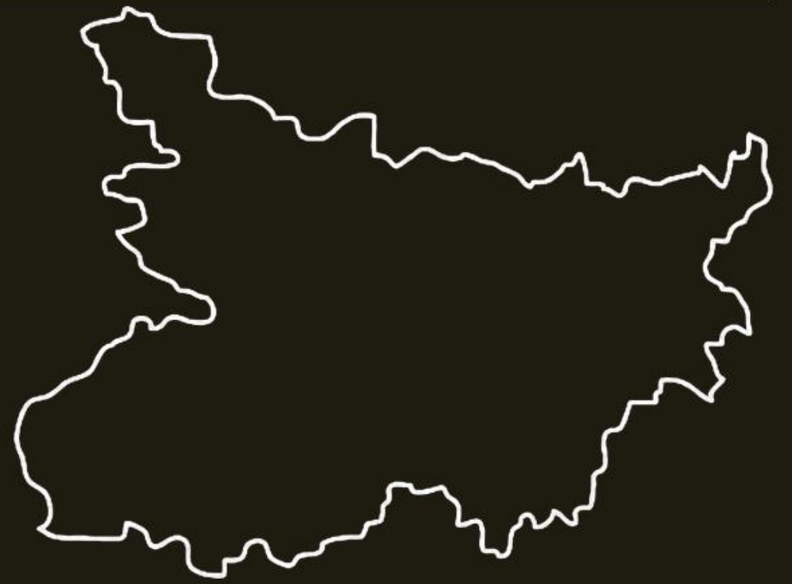

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

सर्वाधिक उत्पादन

सर्वाधिक धान, गेहूं > रोहतास

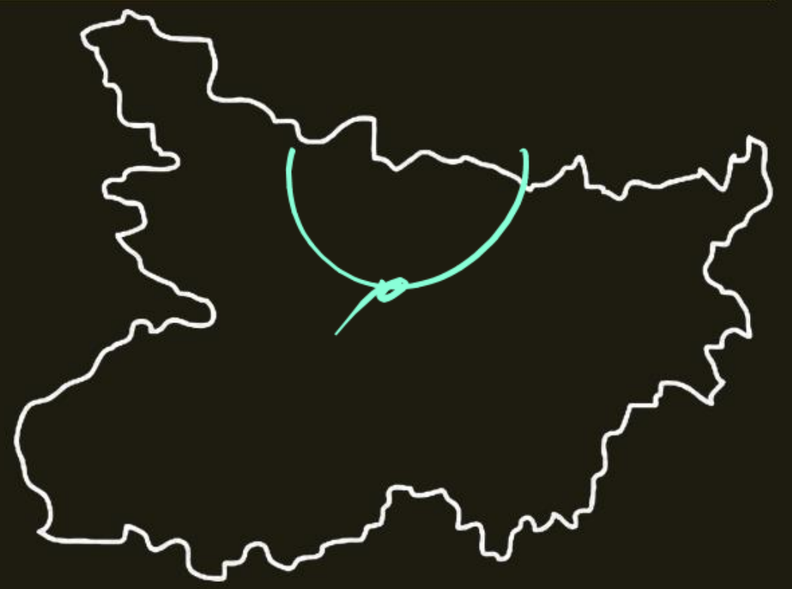

सर्वाधिक जूट — पूर्णिया

चाय — किशनगंज

मक्का — कटिहार

केला - हाजीपुर (MZ)

लीची - मुजफ्फरपुर

मखाना - मिथिला

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

फसल

- खरीफ
  - बुआई: जून - जुलाई
  - नवम्बर - दिसंबर
  - Ex → बाजरा, धान
- रबी
  - Nov - Dec
  - Feb - March
  - Ex - गेहूं, जौ
- जायद → रबी और खरीफ के मध्य
  - (मक्का, मडुआ, मूंग)

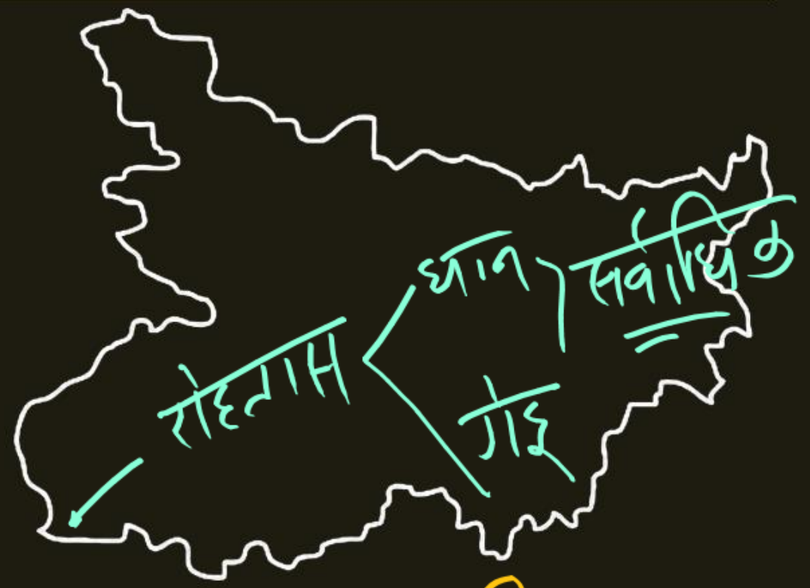

Bihar Special – भूगोल

सिंचाई

- बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है यहां की 70 प्रतिशत जनसंख्या आज भी कृषि पर आश्रित है और यहां की कृषि मुख्यतः मौनसून पर आधारित है ।

Bihar Special – भूगोल

सिंचाई के साधन

- बिहार में मुख्यतः नहर, तालाब, नलकूप और कुआं द्वारा सिंचाई की जाती है।
- सर्वाधिक सिंचाई–

  नलकूपों द्वारा – कुल सिंचाई का 63.9 प्रतिशत

  नहरों द्वारा – कुल सिंचाई का 30.7 प्रतिशत
- बिहार में कुल जलक्षेत्र 3.52 लाख हेक्टेयर है।

Bihar Special – भूगोल

- बिहार में कुल सिंचित 54.93 हेक्टेयर है जिसमें सर्वाधिक सिंचित क्षेत्र रोहतास (3.4 लाख हेक्टेयर) और सबसे कम सिंचित क्षेत्र शिवहर (0.26 लाख हेक्टेयर) है।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

गंडक परियोजना

- भारत सरकार के सहयोग से बिहार तथा उत्तर प्रदेश की संयुक्त परियोजना गंडक नदी परियोजना द्वारा की जाती है। 1959 ई. के समझौता के आधार पर नेपाल को भी लाभ दिया जा रहा है।
- गंडक परियोजना में बिहार के भैंसालोटन नामक स्थान पर 837.8 मीटर लम्बे बैराज का निर्माण किया गया है।

Bihar Special – भूगोल

इसी परियोजना के अंतर्गत नहरों का निर्माण किया गया है।

(1) **पुर्वी त्रिवेणी नहरः–** पूर्वी त्रिवेणी को तिरहूत नहर भी कहा जाता है। इस नहर से लाभावित्त जिलें- पूर्वी चम्पारण, मुज्फ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर आदि जिलों में सिंचाई होती है। सर्वाधिक लाभ पश्चिम चम्पारण को प्राप्त होता है इस प्रणाली के अंर्तगत कुल लम्बाई 293 किलोमीटर है।

Bihar Special – भूगोल

(2) **पश्चिमी त्रिवेणी नहर:–** जिसकी कुल लम्बाई 200 किलोमीटर है जो नेपाल में 19 किलोमीटर, उत्तर प्रदेश में 112 किलोमीटर तथा बिहार में 69 किलोमीटर तक विस्तृत है।

Bihar Special – भूगोल

कोसी परियोजना

- भारत सरकार तथा नेपाल सरकार की आपसी सहमति के आधार पर 1954 ई. में कोसी परियोजना की शुरूआत हुई। 1965 ई. में यह बनकर तैयार हुई। इस परियोजना के अन्तर्गत तीन नहरों का निर्माण की गई।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

(i) **पूर्वी कोसी नहरः–** हनूमान नगर से निकली पुर्णिया और अररिया आदि जिला लाभान्वित हैं।

(ii) **पश्चिमी कोसी नहरः–** दरभंगा, मधबनी, समस्तीपुर, सुपौल आदि लाभान्वित जिलें हैं।

(iii) **राजपुर नहरः–** मधपुरा, सहरसा, सूपौल आदि लाभान्वित जिलें हैं।

Bihar Special – भूगोल

सोन परियोजना

- सोन नहर का निर्माण 1873-74 ई. में डेहरी नामक स्थान पर किया गया था जो निम्नलिखित में है।
- पूर्वी सोन:– औरंगाबाद, अरवल, गया
- पश्चिमी सोन:– रोहतास, बक्सर, भोजपुर

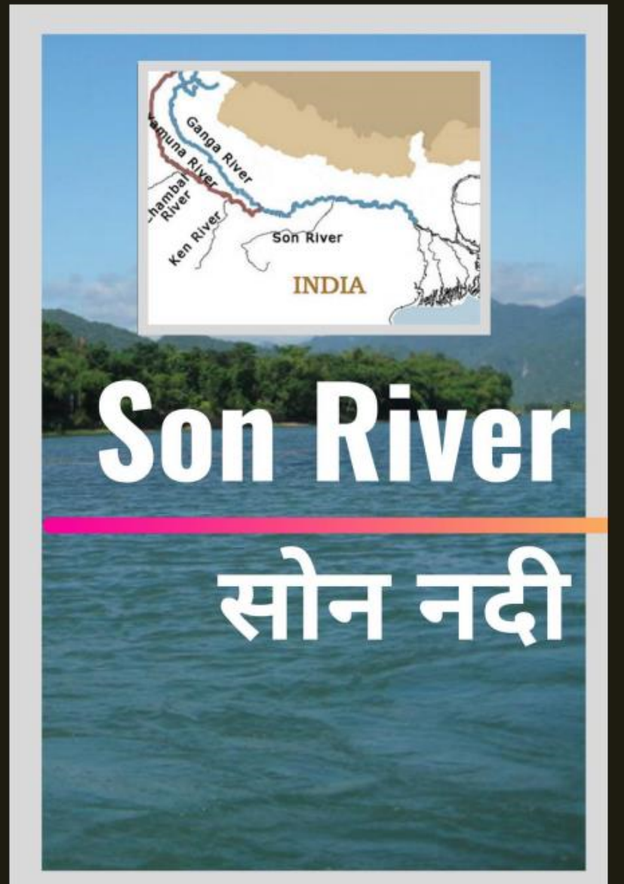

Bihar Special – भूगोल

बिहार में स्थित प्रमुख वन्यजीव अभ्यारण

- वर्तमान राज्य में एक राष्ट्रीय उद्यान (वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान) तथा आठ वन्यजीव अभ्यारण एवं पाँच पक्षी अभ्यारण है।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

बाल्मीकी राष्ट्रीय उद्यान

- बिहार का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान जो पश्चिमी चम्पारण जिले में अवस्थित है इस प्रोजेक्ट का निर्माण 1991 में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है जिसमें भारतीय बाघ प्रजाति ''पैंथ्रा टाइग्रिस'' का निवास है।
- कुल वन क्षेत्र–335.6 वर्गकिमी. है। शेष प्राणी अभ्यारण जिसमें बाघ, तेंदुआ, भालू, साम्भर आदि पाय जाते है।

Bihar Special – भूगोल

भीम बांध वन्यजीव अभ्यारण

- यह मुंगेर जिला में स्थित है, जिसकी स्थापना, 1976 ई. में हुआ तथा इसका विस्तार 981.99 किलोमीटर में फैली हुई है।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

कैमूर वन्यजीव अभ्यारण

- यह कैमुर जिला में स्थित है,
- स्थापना– 1979 ई.
- विस्तार– सोन नदी के किनारे यह 1784.73 किलोमीटर में फैली हुई है।
- जानवर– यहां भेडिया, ब्लैक बक, चीतल तथा लंगूर आदि पाय जाते हैं।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

कावर झील पक्षी अभ्यारण

- यह बिहार के बेगूसराय में स्थित है।
- स्थापना– 1989 ई.
- विस्तार– 63 वर्ग किमी.
- साइबेरियन क्रेन के वजह से यह पयंटकों का आकर्षण केन्द्र है।
- बिहार का एकमात्र शमसर सूची में शामिल स्थल है।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

वन्यजीव अभ्यारण

वाल्मीकी राष्ट्रीय उद्यान	–	प. चम्पारण
गौतम बुद्ध उद्यान	–	गया
भीम बांध	–	मुंगेर
उदयपुर	–	प. चम्पारण
कैमूर	–	कैमूर और रोहतास
राजगीर	–	नालंदा
विक्रमशीला गांगेय डाल्फीन	–	भागलपुर

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

पक्षी अभ्यारण

- कुशेश्वर स्थान – मिथिला, दरभंगा
- बड़ैला सलीम अली – वैशाली
- नगटी डैम – जमुई
- काँवर झील – बेगूसराय

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

कृषि एवं पशुपालन

- बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है, यहां की लगभग 74% जनसंख्या कृषि और पशुपालन पर निर्भर है।
- राज्य की 80 प्रतिशत भूमि से अधिक कृषि योग्य भूमि है।
- फसल के प्रकार
  - (i)खरीफ फसल
  - (ii)रबी फसल
  - (iii) जायद फसल

94163 वर्ग km

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

(i) **खरीफ फसलः–** खरीफ की फसल जून–जूलाई में बोई जाती है तथा नवम्बर–दिसम्बर में काट लि जाती है। खरीफा के अन्तर्गत मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, आदि प्रमुख फसल है। धान

- बिहार में इसका दो वर्गों में विभाजित किया जाता है।
- **अगहनी फसलः–** इस फसल की बुआई जूलाई–अगस्त तथा कटाई नबम्बर–दिसम्बर में किया जाता है। जैसेः– धान, गन्ना, सब्जी आदि फसल आते हैं।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

- **भदई फसल:-** इस फसल की बुआई मई-जून में कि जाती है जो जूलाई-अगस्त में तैयार हो जाती है। जैसे:- मक्का, जूट आदि।

(ii) **रबी फसल:-** इस फसल की बुआई अक्टूबर-नवम्बर तथा कटाई मार्च-अप्रैल में की जाती है, इसका प्रमुख फसल:- गेहू, जौ, चना, मटर, खेसारी इत्यादी है।

(iii) **जायद फसल:-** इसे गरमा फसल भी कहा जाता है। इसकी खेती खरीफ एवं रबी के बीच में उगाई जाती है। इसका प्रमुख फसल:- प्याज, मक्का, मडूआ, मुँग आदि है।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

बिहार की मुख्य फसल

- बिहार की कृषि मुख्य रूप से मौनसून पर आश्रित है।
- **चावल:-** बिहार का मुख्य खाद्यान फसल चावल है, इस राज्य के लगभग 45 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर उगाई जाती है।
- बिहार में सर्वाधिक चावल उत्पादन जिला रोहतास (947 हजार टन), औरंगाबाद (682.42 हजार टन) जबकि सबसे कम चावल उत्पादन जिला बेगूसराय है।

Bihar Special – भूगोल

- **गेहूं:–** धान के बाद गेहूं बिहार की दूसरी प्रमुख खाद्यान्न फसल है। जिसकी बुआई नवम्बर–दिसम्बर में की जाती है तथा मार्च–अप्रैल में फसल कटाई जाती है।
- गेहूं उत्पादन में बिहार, देश का छठवां स्थान में है।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

- सर्वाधिक उत्पादक जिला– रोहतास (988.16)
- सबसे कम उत्पादक जिला– अरवल
- बिहार के कूल कृषित भूमि के लगभग 27 प्रतिशत भाग में उगाई जाती है।
- गेहूं के प्रमुख क्रमानुसार उत्पादक जिला रोहतास, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी है।